अखिल भारतीय संयुक्त राजभाषा वैज्ञानिक एवं तकनीकी संगोष्ठी 2021

15 एवं 16 मार्च 2021

-शीर्षक-
आत्मनिर्भर भारत एवं आधुनिक रक्षा प्रौद्योगिकी

संगोष्ठी आयोजन स्थल

रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डी.आर.एल.) तेजपुर

आयोजक

- रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डी.आर.एल.) तेजपुर
- प्रमाण तथा प्रायोगिक स्थापना (पी.एक्स.ई.), चांदीपुर
- एकीकृत परीक्षण परिसर (आई.टी.आर.), चांदीपुर
- डी.आर.डी.ओ. एकीकरण केंद्र (डी.आई.सी.), पानागढ़
- मुख्य निर्माण अभियंता (अनु. तथा वि.) सी सी ई (पूर्व) कोलकाता

संगोष्ठी परिचय

भारत सरकार की राजभाषा नीति और राजभाषा एवं संगठन पद्धति निदेशालय, डी.आर.डी.ओ मुख्यालय के दिशानिर्देश के अनुरूप डी.आर.डी.ओ की कुल 05 प्रयोगशालायें/स्थापनायें संयुक्त राजभाषा वैज्ञानिक एवं तकनीकी संगोष्ठी का आयोजन दिनांक 15-16 मार्च 2021 को रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला, तेजपुर के नेतृत्व में करने जा रही है। निम्नलिखित 05 प्रयोगशालायें/स्थापनायें इस संगोष्ठी की आयोजक है-

- रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डी.आर.एल.) तेजपुर
- प्रमाण तथा प्रायोगिक स्थापना (पी.एक्स.ई.), चांदीपुर
- एकीकृत परीक्षण परिसर (आई.टी.आर.), चांदीपुर
- डी.आर.डी.ओ. एकीकरण केंद्र (डी.आई.पी.), पानागढ़
- मुख्य निर्माण अभियंता (अनु. तथा वि.) सी सी ई (पूर्व) कोलकता

इस राजभाषा वैज्ञानिक एवं तकनीकी संगोष्ठी आयोजन का उद्देश्य विज्ञान/प्रौद्योगिकी विषयक लेखों एवं शोधपत्रों को हिन्दी में प्रस्तुत करने के लिए मंच एवं अवसर प्रदान करना एवं एक वातावरण का निर्माण करना है जिसमें डी.आर.डी.ओ. के वैज्ञानिक/अधिकारी/कर्मचारी निरंतर विकसित होती जटिल तकनीकों का वृहद स्तर पर सहज आदान-प्रदान किया जा सके।

रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला, तेजपुर

रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला, तेजपुर (असम) की स्थापना चीनी आक्रमण के ठीक बाद 21 नवम्बर 1962 को एक छोटे अनुसंधान सेल ''फील्ड प्रयोगशाला'' के रूप में शुरुआत हुई। जो कानपुर स्थित डी.एम.एस.आर.डी.ई. के अंतर्गत था। इसका उद्देश्य भारतीय सैनिकों को मलेरिया दूषित जल एवं अन्य कठिनाइयों से छुटकारा दिलाना था। अक्टूबर 1980 को यह एक पूर्ण-विकसित अनुसंधान और विकास प्रयोगशाला बन गया और इसका नाम रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला कर दिया गया। यह प्रयोगशाला जलवायु की गंभीरता वाले दुर्गम क्षेत्रों में सेवारत सैनिकों की अपेक्षाओं और जरूरतों के प्रति निरंतर प्रयास के लिए समर्पित है। यहाँ अनुसंधान एवं विकास के दृष्टिकोण से विभिन्न उपायों के विकास के लिए तथा विभिन्न मुद्दों पर जानकारी साझा करने के लिए सामयिक बातचीत का आयोजन किया जाता है। वर्त्तमान में यह जैव प्रौद्योगिकी, औषध प्रौद्योगिकी, चिकित्सा अणुजीव विज्ञान, कृषि, कृषि पर्यावरण, कीट विज्ञान, उत्तक संवर्धन, मशरूम उत्पादन, जल रसायन, वर्मीकम्पोस्ट एवं आर्गेनिक फार्मिंग आदि के क्षेत्र में कार्यरत है।

संगोष्ठी मुख्य विषय तथा उप-विषय

मुख्य विषय ''आत्मनिर्भर भारत एवं आधुनिक रक्षा प्रौद्योगिकी'' इस संयुक्त राजभाषा वैज्ञानिक एवं तकनीकी संगोष्ठी (दिनांक 15-16 मार्च 2021) में मुख्य विषय के अतिरिक्त निम्नलिखित उपविषयों पर भी शोधपत्र/लेख भेजे जा सकते हैं:-

- आत्मनिर्भर भारत
- सीमावर्ती क्षेत्रों की समस्याएं एवं उनके समाधान
- कोरोना वाइरस एक जैविक हथियारः सच्चाई और प्राकृतिक आपदा
- पर्यावरण संरक्षण तथा आपदा प्रबंधन
- राष्ट्रीय एकता में हिन्दी की भूमिका

महाभैरव मंदिर

अग्निगढ़

तेजपुर (असम): एक परिचय

तेजपुर को असम की सांस्कृतिक राजधानी कहा जाता है जो देश में अपनी शुद्ध वायु एवं प्राकृतिक सौन्दर्य के लिए प्रसिद्ध है। यह ब्रह्मपुत्र नदी के उत्तरी किनारे पर स्थित है। यह सोनितपुर जिले का मुख्यालय है। तेजपुर अपनी सांस्कृतिक श्रेष्ठता के लिए जाना जाता है। यह न केवल सांस्कृतिक केंद्र है बल्कि एक शैक्षणिक गंतव्य भी है जिसका अपना एक समृद्ध इतिहास है। तेजपुर शब्द संस्कृत के 'तेज' शब्द से निकला है जिसका अर्थ है रक्त और 'पुरा' का अर्थ है शहर 'रक्त का शहर''। आधुनिक तेजपुर 1835 में प्रसिद्ध हुआ जब ब्रिटिश लोगों ने इसे दर्रांग जिले का मुख्यालय बना दिया। अपनी सामरिक स्थिति के कारण और अरुणाचल प्रदेश से इसकी निकटता के कारण तेजपुर में सेना और वायुसेना की व्यापक उपस्थिति है। तेजपुर में एयरफोर्स बेस के अलावा सुखोई बेस भी है भारत में इस तरह के दो बेस हैं, जिनमें से दूसरा पुणे में है। सांस्कृतिक रूप से तेजपुर के साथ कई नाम जुड़े हुए हैं। यह शहर असम की सांस्कृतिक राजधानी के नाम से भी जाना जाता है। तेजपुर में सामान्यतः भारी वर्षा होती है। यहाँ की गर्मी झुलसा देने वाली और ठंड खुशनुमा होती है। गर्मियों के दौरान तापमान 36 डिग्री सेल्सियस तक जाता है और ठंड के दौरान 10-15 डिग्री सेल्सियस तक गिर जाता है। भौगोलिक दृष्टि से तेजपुर मैदानों, पहाड़ों और एक बड़ी नदी से समृद्ध है। यहाँ प्रचुर मात्रा में प्राकृतिक सुन्दरता उपलब्ध है। जहाँ एक ओर ब्रह्मपुत्र नदी प्रवाहित होती है वहीं कोलिया भोमोरा पुल जिसकी लंबाई 3015 मीटर है तथा जो सोनितपुर जिले को नागांव जिले से जोड़ता है, यह भी अपने तरीके से सबको प्रभावित करता है। तेजपुर पर्यटन का आकर्षक अग्निगढ़ के कारण भी बढ़ जाता है जो इस शहर का सबसे अधिक आकर्षक स्थल है।

चित्रलेखा उद्यान

भैरबी मंदिर

बामुनी पहाड़ी

शोध पत्र/लेख तैयार करने तथा भेजने हेतु निर्देश

- शोध पत्र/लेख की भाषा सरल हो।
- सभी लेख यूनिकोड हिन्दी मंगल फॉन्ट (साइज़ 14) में ही टंकित कर भेजने की कृपा करें। पेज के चारों भागों में 1.5 सेमी. हाशिया भी रखें।
- पूर्ण लेख की शब्द सीमा : लगभग 2000 शब्द।
- सभी लेख MS Word Format में ही भेजे। JPG/PDF Format में ना भेजे।
- लेख भेजने की अंतिम तिथि 24 फरवरी 2021 है।
- समस्त लेखकों से आग्रह है कि अपना पूर्ण आलेख ही भेजने की कृपा करें। सभी शोध पत्र/लेखों को संकलित कर संगोष्ठी स्मारिका प्रकाशित की जाएगी।
- वक्ता अपना लेख/शोध पत्र पॉवर पॉइंट प्रस्तुति में प्रस्तुत कर सकते है। फोंट्स की जांच कृपया अवश्य कर लें।

सभी शोध पत्र/लेखों को ई मेल पर ही भेजे

डॉ एस चैटर्जी : drlrajbhasha@gmail.com, schatterjee@drl.drdo.in

पंजीकरण पत्र का प्रारूप

नामः .....

पदनामः .....

व्हाट्स अप्प मोबाइल नंबरः .....

शोध पत्र एवं लेख का शीर्षकः .....

आवास आवश्यकता है/आवश्यकता नहीं हैः .....

आवश्यकता है तो, क्या होटल आवास चाहिएः .....

अन्य आवश्यकताः .....

आगमन की तिथि एवं समयः .....

प्रस्थान की तिथि एवं समयः .....

प्रयोगशाला/स्थापना/संस्थान का नाम एवं पताः .....

.....

फैक्सः .....

ई मेलः ..... (हस्ताक्षर)

संगोष्ठी संरक्षक

डॉ एस के द्विवेदी
निदेशक, डी.आर.एल., तेजपुर

श्री डी के जोशी
निदेशक, पी.एक्स.ई., चांदीपुर

श्री एच रथ
निदेशक, आई.टी.आर., चांदीपुर

श्री एम आर एम बाबू
महा प्रबन्धक, डी.आई.सी., पानागढ

श्री जी एच राव
मुख्य निर्माण अभियंता, सी सी ई (पूर्व) (अनु. तथा वी.), कोलकता

आयोजन समिति

डॉ एच एस पंडा
वैज्ञानिक-एफ, पी.एक्स.ई.

श्री पी एन पंडा
वैज्ञानिक-एफ, आई.टी.आर.

श्री सी एस मांझी
तकनीकी अधिकारी-सी, मुख्य निर्माण अभियंता

संजय मांझी
राजभाषा अधिकारी, डी.आइ.सी., पानागढ़

डॉ एस चैटर्जी
(आयोजन सचिव)

संगोष्ठी आयोजन प्रतिनिधि

आई.टी.आर.

श्री पी एन पंडा
वैज्ञानिक-एफ,

श्री डिबाकर जेना
कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी

पी.एक्स.ई

डॉ एच एस पंडा
वैज्ञानिक-एफ

श्री राजकुमार गंगवार
वैज्ञानिक-ई

डी.आई.सी., पानागढ़

श्री संजय मांझी
राजभाषा अधिकारी

मुख्य निर्माण अभियंता (पूर्व)

श्री सी एस माझी
तकनीकी अधिकारी-सी

श्री रविन्द्र कुमार
तकनीकी अधिकारी-ए

पत्राचार तथा संपर्क

डॉ एस चैटर्जी
वैज्ञानिक 'ई', आयोजन सचिव
मोबाईल : 9435738428, फैक्सः 03712-258534
ईमेल : drlrajbhasha@gmail.com

श्री पी के बरदलै
सहायक निदेशक (राजभाषा)
मोबाईल : 9706450456